COPYRIGHT RESERVED

FYUESE (V) – MJ-9
(Philosophy)

2022-26

Full Marks : 75

Time : 3 Hours

Candidates are required to give their answer in their own words as far as practicable. Their figures in the margin indicate full marks.

परीक्षार्थी यथासम्भव अपने शब्दों में ही उत्तर दें। उपांत के अंक पूर्णांक के द्योतक हैं।

Answer from both the Sections as directed.

निर्देशानुसार दोनों खण्डों से उत्तर दें।

Section - A

खण्ड – अ

(Compulsory)

(अनिवार्य)

1. Write very short answer of the following. 1×5=5

निम्नलिखित के अति संक्षिप्त उत्तर दें :

(a) How many kinds of substance according to Vaishesika ?

वैशेषिक के अनुसार द्रव्यों की संख्या कितनी है ?

(b) Write any one feature of God according to Nyaya.

न्याय के अनुसार ईश्वर के किसी एक गुण को बतालएँ।

(c) Who has given the concept of Dehatmavada ?

देहात्मवाद का सिद्धांत किसने दिया ?

(d) Who is the supporter of a theory of Universal Realism ?

वास्तववाद सामान्य का एक सिद्धांत के समर्थक कौन हैं ?

(e) Arambhavada is associated with which theory ?

आरंभवाद किस सिद्धांत से सम्बद्ध है ?

2. Explain in brief Vivartavada as a theory of causation. 5

कारणता सिद्धांत के रूप में विवर्तवाद की व्याख्या संक्षेप में करें।

3. Explain the Vaisheshika category of Abhava. 5

वैशेषिक के अभाव नामक पदार्थ की व्याख्या करें।

Section - B

खण्ड - ब

Answer any **four** questions of the following. 15×4=60

निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दें :

4. Discuss the Vaisheshika theory of substance.

वैशेषिक के द्रव्य विचार का विवेचन करें।

5. Explain the concept of God according to Yoga Philosophy.

योग दर्शन के अनुसार ईश्वर की अवधारणा की व्याख्या करें।

6. What is the nature of self according to Sankara ? Explain.

शंकर के अनुसार आत्मा का क्या स्वरूप है ? व्याख्या करें।

7. What is Universal ? Explain realism as a theory of universal.

सामान्य क्या है ? सामान्य से संबंधित सिद्धांत के रूप में वास्तववाद की व्याख्या करें।

8. Explain the nature of self according to Samkhya Philosophy.

सांख्य दर्शन के अनुसार आत्मा के स्वरूप की व्याख्या करें।

9. Explain Parinamavada as a theory of causation.

कारणता सिद्धांत के रूप में परिणामवाद की व्याख्या करें।

***